This question paper contains 4 printed pages.

2871 *Your Roll No.....*

आपका अनुक्रमांक.....

M.Ed.

J

Paper I

PHILOSOPHICAL PERSPECTIVE ON EDUCATION

Time : 2 hours *Maximum Marks : 35*

समय : 2 घण्टे *पूर्णांक : 35*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)
(इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी : *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी भी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Answer question no. 1 and any other two.
प्रश्न संख्या 1 सहित अन्य किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Is 'Educational Theory' possible ? Discuss with reference to the formulations of educatibnal theory by Peters and Hirst and their critique by Wilson. *15*

OR

What is Plato's theory of Education ? Expound and critique the same.

P.T.O

OR

"Educational researches have broadly abandoned the academic discipline of sociology, philosophy and psychology, in favour of school or classroom based studies. How does this trend impoverish Education. Discuss with reference to Philosophy of Education.

2. Phenomenology brings the discourse of Education to subjective considerations. How does this enrich our understanding of educational issues and formulations of knowledge? *10*

3. The scientific approach to the social and philosophical issues lends credence to the discourse in education. Critically examine and comment on this proposition in the light of your understanding of positivism. *10*

4. How is knowledge understood in Marxist epistemology? How does this help us in conceptualizing knowledge for schools? *10*

5. For the Advaitin, "Education is a manifestation of the divine perfection already in man". The aim of education then is Moksha. Comment. *10*

6. Values are eternal and absolute. Do you agree? If not, what is your understanding of the nature of values? How does it impact on Value Education? *10*

प्रश्न 1 और शेष कोई दो प्रश्न कीजिए।

1. क्या 'शिक्षा सिद्धांत' संभव है। पीटर्स और हर्स्ट के शिक्षा सिद्धांत के निरूपण और विल्सन द्वारा उसकी मीमांसा के संदर्भ में विवेचन कीजिए।

अथवा

प्लेटो का शिक्षा सिद्धांत क्या है ? स्पष्ट कीजिए और उसकी मीमांसा भी कीजिए।

अथवा

शौक्षिक अनुसंधानों ने विद्यालय और कक्षा आधारित अध्ययनो के पक्ष में समाजशास्त्र, दर्शन और मनोविज्ञान की शौक्षिक विद्याशाखाओं को मोटे तौर पर त्याग दिया है। यह प्रवृति शिक्षा को किस प्रकार दरिद्र बना रही है ? शिक्षा–दर्शन के संदर्भ मे विवेचन कीजिए।

2. दृश्यघटनाविज्ञान शिक्षा विमर्श (डिस्कोर्स) को वस्तुनिष्ठ चिंतन की ओर ले जाता है। यह शौक्षिक मुद्दों और ज्ञान के निरूपणों संबंधी हमारे बोध को किस प्रकार संबर्धित करता है ?

3. सामाजिक और दार्शनिक मुद्दों के प्रति वैज्ञानिक उपागम शिक्षा विमर्श को प्रमाण प्रदान करता है। प्रत्यक्षवाद को अपनी समझ के प्रकाश में इस प्रस्थापना का समीक्षात्मक परीक्षण और उस पर टिप्पणी कीजिए।

4. मार्क्स की ज्ञानमीमांसा में ज्ञान को कैसे समझा जाता है ? यह विद्यालयों के लिए ज्ञान के संप्रत्ययीकरण में हमारी सहायता कैसे करती है ?

5. अद्वैतवादी के लिए, "शिक्षा व्यक्ति में पूर्वनिहित दैवी पूर्णता की अभिव्यक्ति है।" इसलिए मोक्ष शिक्षा का उद्देश्य है। टिप्पणी कीजिए।

6. मूल्य शाश्वत और निरपेक्ष होते हैं ? क्या आप इससे सहमत हैं ? यदि नहीं, तो मूल्यों के स्वरूप का आपका बोध क्या है ? इसका मूल्य शिक्षा पर क्या प्रभाव पड़ता है ?